मध्यप्रदेश शासन
उच्च शिक्षा विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अध्यादेश 14(1) अनुसार स्नातक कक्षाओं हेतु नवीन संरचना

स्नातक स्तर

खंड 1 : परिचय और संदर्भ

- मध्यप्रदेश शासन के अध्यादेश 14(1) को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को प्रभावी रूप से स्नातक स्तर पर लागू करने हेतु विश्वविद्यालय समन्वय समिति द्वारा विकसित किया गया है
- इसके अंतर्गत 3-वर्षीय और 4-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों (Honours और Honours with research सहित) में क्रेडिट वितरण को विस्तार से समझाया गया है
- इसके साथ ही मूल्यांकन विधि, क्रेडिट ट्रान्सफर आदि की भी सविस्तार चर्चा की गयी है

प्रस्तुति की रूपरेखा

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित अध्यादेश 14(1) की चर्चा
2. स्नातक कक्षाओं हेतु संशोधित पाठ्यक्रम
3. विषयवार प्रश्नपत्रों की संख्या
4. अंकों का विभाजन और उत्तीर्णांक
5. सारांश

- CCE – सतत समग्र मूल्यांकन – अंक
- गतिविधि और अंक
- वर्षान्त मुख्य परीक्षा
- क्रेडिट व्यवस्था

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में अध्यादेश 14(1) के अनुसार नवीन संरचना वर्ष 2025 -26 से लागू

खंड 1 : परिचय और संदर्भ

पृष्ठभूमि और उद्देश्य

यह बदलाव क्यों ?	• राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और UGC के पाठ्यक्रम ढांचे (दिसंबर 2022) के साथ संरेखण
उद्देश्य	• पिछले अध्यादेश 14(A) और 14(B) को मिलाकर एक एकीकृत ढांचे से बदलना
प्रयोज्यता	• वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों से शुरू होगा और बाद के वर्षों में चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा

खंड 2 : प्रमुख विद्यार्थी - केंद्रित सुधार

नवीन प्रोन्नति नीति : एक सुरक्षा कवच

पिछली चुनौती

- प्रोन्नति के लिए 50% क्रेडिट की सख्त आवश्यकता के कारण कई विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो रहे थे या उनका सत्र 'शून्य वर्ष' घोषित किया जा रहा था

समाधान

- अब विद्यार्थियों को अगले वर्ष या सेमेस्टर में प्रोन्नत होने के लिए केवल कुल क्रेडिट का 35% हासिल करने की आवश्यकता है

प्रभाव

- यह अकादमिक बाधाओं को काफी कम करता है और विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का एक बेहतर मौका प्रदान करता है

खंड 2 : प्रमुख विद्यार्थी - केंद्रित सुधार

मेजर विषय वह विषय है जिसका मुख्यतः अध्ययन किया जाएगा और उसी विषय के विद्यार्थी को डिग्री दी जायेगी

डबल मेजर का परिचय (10.4) + (13)

- विद्यार्थी अब **डबल मेजर** का विकल्प चुन सकते हैं, जिससे वे अपने माइनर विषय को दूसरे मेजर विषय का दर्जा दे सकते हैं
- **आवश्यकता (3-वर्षीय यूजी) :** दूसरे मेजर विषय में न्यूनतम 55 क्रेडिट प्राप्त करें
- **आवश्यकता (4-वर्षीय यूजी) :** दूसरे मेजर विषय में न्यूनतम 70 क्रेडिट प्राप्त करें
- **मुख्य लाभ :** यह दो अलग-अलग विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए पात्रता देता है, जिससे कॅरियर के विकल्प बढ़ते हैं
- विद्यार्थी प्रथम वर्ष / दूसरे सेमेस्टर के पूर्ण होने के बाद, पर्याप्त समय लेकर, उसी संकाय के भीतर अपने **मेजर विषय को बदल** सकता है (13.2)

खंड 2 : प्रमुख विद्यार्थी - केंद्रित सुधार

लचीलापन : MOOCs और अंतर-संस्थागत अध्ययन (15)

1

- विद्यार्थी SWAYAM जैसे प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कुल क्रेडिट का 40% तक अर्जित कर सकते हैं

2

- महाविद्यालय की अनुमति से यह विद्यार्थियों को उन विषयों का अध्ययन करने की अनुमति देता है जो उनके महाविद्यालय में उपलब्ध नहीं हैं

3

- इन पाठ्यक्रमों से सीखने और क्रेडिट ट्रांसफर की जिम्मेदारी विद्यार्थी और मूल संस्थान की होती है

खंड 3 : नई कार्यक्रम संरचना को समझना

ग्रेड सुधार का अवसर (26)

एक नया प्रावधान विद्यार्थियों को अपना **AGPA / SGPA / CGPA** सुधारने की अनुमति देता है

विद्यार्थी अपने ग्रेड अंक सुधारने के लिए अगली पूरक / **ATKT** परीक्षा में अपनी पसंद के अधिकतम दो पेपर में फिर से शामिल हो सकते हैं

यह विद्यार्थियों को अपने अंतिम परिणामों और अकादमिक रिकॉर्ड को बेहतर बनाने में मदद करता है

खंड 3 : नवीन कार्यक्रम संरचना को समझना

3-वर्षीय बनाम 4-वर्षीय मार्ग

3-वर्षीय स्नातक डिग्री

एक मानक यूजी डिग्री की ओर ले जाती है - कुल आवश्यक क्रेडिट : 136

4-वर्षीय स्नातक डिग्री (ऑनर्स)

समस्त संस्थान इस कार्यक्रम की पेशकश कर सकते हैं - कुल आवश्यक क्रेडिट : 176

4-वर्षीय स्नातक डिग्री (ऑनर्स विद रिसर्च)

एक विशेष अनुसंधान - उन्मुख मार्ग - कुल आवश्यक क्रेडिट : 176

खंड 3 : नवीन कार्यक्रम संरचना को समझना

'ऑनर्स' बनाम 'ऑनर्स विद रिसर्च'

रिसर्च स्ट्रीम के लिए पात्रता

विद्यार्थियों को पहले तीन वर्षों में 7.5 CGPA या उससे अधिक प्राप्त करना होगा

ऑनर्स विद रिसर्च

चौथे वर्ष में, विद्यार्थी एक संकाय गाइड के निर्देशन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट / शोध-प्रबंध करते हैं

ऑनर्स

जो विद्यार्थी शोध नहीं करते हैं वे शोध-प्रबंध के बजाय 12 क्रेडिट के लिए 3 अतिरिक्त पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) पूरे करेंगे

खंड 3 : नवीन कार्यक्रम संरचना को समझना

Minimum Credit Requirements to Award Degree under Each Category-14(1)

S. No.	Broad category of Course	Minimum Credit Requirements	
		3-Year UG	4 Year UG
1	Major (Core)	68	88
2	Minor Stream	24	32
3	Multi/Inter-disciplinary	09	09
4	Ability Enhancement Courses (AEC)	12	12
5	Skill Enhancement / Vocational Courses (SEC)	09	09
6	Value Added Courses Common for all UG	08	08
7	Project work (PW) / Community Engagement and Service (CE) /Apprenticeship (Ap)	04	04
8	Summer Internship	02	02
9	Research- Project/Dissertation	-	12
	Total	**136**	**176**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में अध्यादेश 14(1) के अनुसार नवीन संरचना वर्ष 2025 -26 से लागू

टेबल 3 B -1 – सिंगल मेजर विषय के साथ वार्षिक सिस्टम में क्रेडिट व्यवस्था

Structure of the Undergraduate Programme and the Distribution of Credits (Annual System with Single Major)

Year	Core (Major) (Discipline Specific Courses)	Minor	Multi/Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement Courses (Language)	Skill Based Activities: Skill Enhancement/ Vocational Courses	Skill Based Activities: Internship / Apprenticeship (Ap) / Project-Work (PW) / Community-Engagement (CE) / Research Project /Dissertation /OCC	Common Value-Added Courses	Total Credits
I	C-1 (6) C-2 (6) C-3 (6)	M-1 (4) M-2 (4)	MD-1 (3)	AEC-1 (2) AEC-2 (2)	SEC(VOC)-1 (3)	PW/Ap/CE (2)	VAC-1 (2)	40
Students exiting the programme after securing 40 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/Subject provided they secure an additional 5 credits in work-based vocational courses offered during the summer term or internship/apprenticeship in addition to 5 credits from skill-based courses earned during the first year.								
II	C-4 (6) C-5 (6) DSE-1 (4) DSE-2 (4)	M-3 (4) M-4 (4)	MD-2 (3)	AEC-3 (2) AEC-4 (2)	SEC(VOC)-2 (3)	PW/Ap/CE (2)	VAC-2 (2)	42
Students exiting the programme after securing 82 credits will be awarded UG Diploma in the relevant Discipline/Subject provided they secure an additional 5 credits in skill-based vocational courses offered during the first-year or second-year summer term.								

Structure of the Undergraduate Programme and the Distribution of Credits (Annual System with Single Major)

Year	Core (Major) (Discipline Specific Courses)	Minor	Multi/Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement Courses (Language)	Skill Based Activities: Skill Enhancement/ Vocational Courses	Skill Based Activities: Internship / Apprenticeship (Ap) / Project-Work (PW) / Community-Engagement (CE) / Research Project /Dissertation /OCC	Common Value-Added Courses	Total Credits
III	C-6 (6) C-7 (6) C-8 (6) DSE-3 (6) DSE-4 (6)	M-5 (4) M-6 (4)	MD-3 (3)	AEC-5 (2) AEC-6 (2)	SEC(VOC)-2 (3)	Summer Internship (2)	VAC-3 (2) VAC-4 (2)	54
	68 Credits	24 Credits	9 Credits	12 Credits	9 Credits	4+2 = 6 Credits	8 Credits	136 Credits
Students who want to undertake 3-year UG programme will be awarded UG Degree in the relevant Discipline/Subject upon securing 136 credits.								
IV	C-9 (6) C-10 (6) C-11 (4)* RM DSE-5 (4)	M-7 (4) M-8 (4)				Research Project/Dissertation (12) OR OCC-1 (4), OCC-2 (4), OCC-3 (4)	-	40
	(*) C-11 is a common course of Research Methodology applicable to all four-year UG degree programmes.							
Note: (1) Students will be awarded UG Degree (Honours with Research) in the relevant Discipline/Subject provided they secure 176 credits along with a Research Project or Dissertation. (2) In case the student not undertaking the Research Project/Dissertation will have to do 3 courses (OCC-1 to OCC-3) of 12 credits in lieu of the Research Project/Dissertation will be awarded UG Degree (Honours) in the relevant Discipline/Subject provided they secure 176 credits.								
	88 Credits	32 Credits	9 Credits	12 Credits	9 Credits	6+12= 18 Credits	8 Credits	176 Credits

Abbreviations Used - **C**: Core (Major), **M**: Minor, **MD**: Multi/Inter-disciplinary, **AEC**: Ability Enhancement Course**, SEC**: Skill Enhancement Course, **DSE**: Discipline Specific Elective, **VOC**: Vocational Course, **RM:** Research Methodology, **VAC**: Value Added Course**, OCC**: Optional Core Course (in lieu of Research Project/Dissertation).

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में अध्यादेश 14(1) के अनुसार नवीन संरचना वर्ष 2025 -26 से लागू

टेबल 3 B -2 – डबल मेजर विषय के साथ वार्षिक सिस्टम में क्रेडिट व्यवस्था

Structure of the Undergraduate Programme and the Distribution of Credits (Annual System with Double Major)

Annual	Core (Major) (Discipline Specific Courses)	Minor	Multi/Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement Courses (Language)	Skill Based Activities		Common Value-Added Courses	Total Credits
					Skill Enhancement/ Vocational Courses	Internship / Apprenticeship (Ap) / Project-Work (PW) / Community-Engagement (CE) / Research Project/Dissertation /OCC		
I	C-1 (6) C-2 (6) C-3 (6)	M-1 (4) M-2 (4)	MD-1 (3)	AEC-1 (2) AEC-2 (2)	SEC(VOC)-1 (3)	PW/Ap/CE (2)	VAC-1 (2)	40
Students exiting the programme after securing 40 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/Subject provided they secure an additional 5 credits in work-based vocational courses offered during the summer term or internship/apprenticeship in addition to 5 credits from skill-based courses earned during the first year.								
II	C-4 (6) C-5 (6) DSE-1 (4) DSE-2 (4)	S C-4 (6) S C-5 (6) S DSE-1 (4) S DSE-2 (4)	MD-2 (3)	AEC-3 (2) AEC-4 (2)	SEC(VOC)-2 (3)	PW/Ap/CE (2)	VAC-2 (2)	54
Students exiting the programme after securing 94 credits will be awarded UG Diploma in the relevant Discipline/Subject provided they secure an additional 5 credits in skill-based vocational courses offered during the first-year or second-year summer term.								

Structure of the Undergraduate Programme and the Distribution of Credits (Annual System with Double Major)

Annual	Core (Major) (Discipline Specific Courses)	Minor	Multi/Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement Courses (Language)	Skill Based Activities		Common Value-Added Courses	Total Credits
					Skill Enhancement/ Vocational Courses	Internship / Apprenticeship (Ap) / Project-Work (PW) / Community-Engagement (CE) / Research Project/Dissertation /OCC		
III	C-6 (6) C-7 (6) C-8 (6) DSE-3 (6) DSE-4 (6)	S C-6 (6) S C-7 (6) S C-8 (6) S DSE-3 (6) S DSE-4 (6)	MD-3 (3)	AEC-5 (2) AEC-6 (2)	SEC(VOC)-2 (3)	Summer Internship (2)	VAC-3 (2) VAC-4 (2)	76
	68 Credits	**58 Credits**	**9 Credits**	**12 Credits**	**9 Credits**	**4+2 = 6 Credits**	**8 Credits**	**170 Credits**
Students who want to undertake 3-year UG programme will be awarded UG Degree in the relevant Discipline/Subject upon securing 136 credits.								
IV	C-9 (6) C-10 (6) C-11 (4)* RM DSE-5 (4)	S C-9 (6) S C-10 (6) S DSE-5 (4)				Research Project/Dissertation {Major-1 (8) + Major-2 (4)} OR OCC-1 {Major-1 (4), OCC-2 {Major-1 (4), OCC-1 {Major-2 (4)}	- -	48
	(*) C-11 is a common course of Research Methodology applicable to all four-year UG degree programmes.							
Note: (1) Students will be awarded UG Degree (Honours with Research) {with Double Major} in the relevant Disciplines/Subjects provided they secure 218 credits along with a Research Project or Dissertation. (2) In case the student not undertaking the Research Project/Dissertation will have to do 3 courses (OCC) of 12 credits in lieu of the Research Project/Dissertation will be awarded UG Degree (Honours) {with Double Major} in the relevant Disciplines/Subjects provided they secure 218 credits.								
	88 Credits	74 Credits	9 Credits	12 Credits	9 Credits	6+12= 18 Credits	8 Credits	218 Credits

स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना

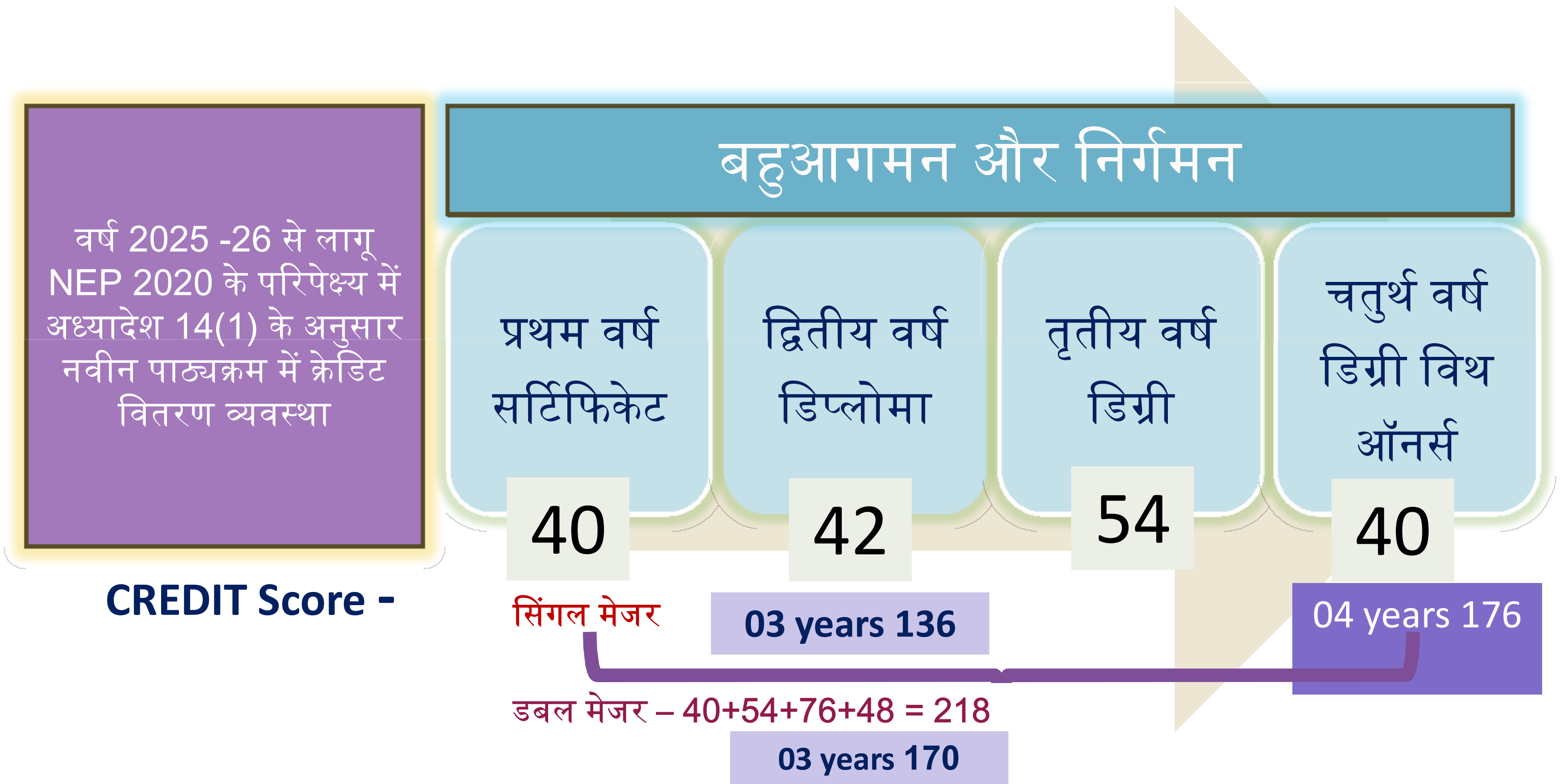

क्रेडिट वितरण – सिंगल मेजर vs डबल मेजर पाठ्यक्रम – वार्षिक सिस्टम

स्नातक स्तर	सिंगल मेजर					डबल मेजर					शेष अन्य पेपर
	मेजर विषय	क्रेडिट्स	माइनर विषय	क्रेडिट्स	कुल क्रेडिट	मेजर विषय	क्रेडिट्स	2nd मेजर विषय	क्रेडिट्स	कुल क्रेडिट	
प्रथम वर्ष	C1	6	M1	4	40	C1	6	M1	4	40	यथावत
	C2	6	M2	4		C2	6	M2	4		
	C3	6				C3	6				
	3 पेपर	**18**	**2 पेपर**	**8**		**3 पेपर**	**18**	**2 पेपर**	**8**		
द्वितीय वर्ष (डबल मेजर का विकल्प उपलब्ध)	C4	6	M3	4	42	C4	6	S C4	6	54	यथावत
	C5	6	M4	4		C5	6	S C5	6		
	DSE 1	4				DSE 1	4	S DSE 1	4		
	DSE 2	4				DSE 2	4	S DSE 2	4		
	4 पेपर	**20**	**2 पेपर**	**8**		**4 पेपर**	**20**	**4 पेपर**	**20**		
तृतीय वर्ष	C6	6	M 5	4	54	C6	6	S C6	6	76	यथावत
	C7	6	M 6	4		C7	6	S C7	6		
	C8	6				C8	6	S C8	6		
	DSE 3	6				DSE 3	6	S DSE 3	6		
	DSE 4	6				DSE 4	6	S DSE 4	6		
	5 पेपर	**30**	**2 पेपर**	**8**		**5 पेपर**	**30**	**5 पेपर**	**30**		
चतुर्थ वर्ष	C 9	6	M 7	4	40	C 9	6	S C 9	6	48	यथावत
	C 10	6	M 8	4		C 10	6	S C 10	6		
	C 11* RM	4				C 11* RM	4	[redacted]			
	DSE 4	4				DSE 4	4	S DSE 4	4		
	4 पेपर	**20**	**2 पेपर**	**8**		**4 पेपर**	**20**	**3 पेपर**	**16**		
कुल	**16 पेपर**	**88**	**8 पेपर**	**32**	**176**	**16 पेपर**	**88**	**14 पेपर**	**74**	**218**	

26

खंड 3 : नवीन संरचना को समझना

लचीली प्रवेश और निकास प्रणाली (Flexible Entry & Exit System)

1 वर्ष के बाद निकास
यूजी सर्टिफिकेट
(न्यूनतम 40 क्रेडिट) प्रदान किया जाएगा

2 वर्ष के बाद निकास
यूजी डिप्लोमा
(न्यूनतम 82 क्रेडिट) प्रदान किया जाएगा

3 वर्ष के बाद निकास
स्नातक की डिग्री
(न्यूनतम 136 क्रेडिट) प्रदान की जाएगी

पुनः प्रवेश
विद्यार्थी अपनी डिग्री पूरी करने के लिए 3 साल के भीतर फिर से शामिल हो सकते हैं, जिसकी अधिकतम पूर्णता अवधि सात वर्ष है (12.2)

खंड 3 : नवीन संरचना को समझना

विविध पाठ्यक्रम श्रेणियाँ

मेजर / माइनर

अध्ययन के मुख्य और पूरक क्षेत्र – एक ही संकाय से

MDC – (13.5) Multi Disciplinary Course

किसी भी संकाय से

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)

भाषा और संचार कौशल (जैसे - हिंदी, अंग्रेजी)

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)

व्यावहारिक, व्यावसायिक और रोजगार कौशल

मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रम (VAC)

सभी विद्यार्थियों के लिए सामान्य पाठ्यक्रम जैसे- भारत को समझना, पर्यावरण विज्ञान और डिजिटल समाधान

खंड 3 : नवीन संरचना को समझना

Multi Disciplinary Course – किसी भी संकाय से - (13.5) – स्नातक के समस्त विद्यार्थियों को दिये गये 06 विषयों के समूहों में से कोई भी 03 परिचयात्मक लेवल के कोर्स पढ़ने होंगे

इसके अध्ययन से उनके बौद्धिक स्तर में विकास और उदारतापूर्ण विज्ञान और कला की समझ का विस्तार होगा

किन्तु विद्यार्थियों को 12वीं के स्तर पर मेजर रूप में पढ़े गए विषयों को **MDC** विषय के अंतर्गत लेने की अनुमति नहीं होगी

खंड 4 : परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग

मूल्यांकन का विवरण

- आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन का मिश्रण (30:70) भारांक (weightage)
- आंतरिक मूल्यांकन (CCE) : वर्ष / सेमेस्टर के दौरान कई परीक्षणों / असाइनमेंट पर आधारित - वार्षिक प्रणाली में 4 में से सर्वश्रेष्ठ 3 परिणाम गिने जाते हैं
- सेमेस्टर प्रणाली में 3 में से सर्वश्रेष्ठ 2 गिने जाते हैं
- बाह्य मूल्यांकन : साल के अंत या सेमेस्टर के अंत की परीक्षाएँ
- उत्तीर्णांक 35

खंड 4 : परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग

10-पॉइंट ग्रेडिंग प्रणाली :

- ग्रेडिंग तालिका (O, A+, A, B+, B, C, P, F)
- पास (P) : 35-39%
- फेल (F) : 0-34%

खंड 4 : परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग

CGPA और अंतिम श्रेणी (Division)

CGPA अंतिम श्रेणी का निर्धारण

विशेष योग्यता सहित प्रथम श्रेणी : 8.00 या उससे अधिक का CGPA

प्रथम श्रेणी : 6.50 से 7.99 का CGPA

द्वितीय श्रेणी : 5.00 से 6.49 का CGPA

उत्तीर्ण : 4.00 से 4.99 का CGPA

खंड 5: अन्य महत्वपूर्ण प्रावधान और निष्कर्ष

अतिरिक्त प्रावधान

क्रेडिट ट्रांसफर

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) और राज्य के विश्वविद्यालयों के बीच सुविधा

स्वाध्यायी छात्र

यह अध्यादेश स्वाध्यायी विद्यार्थियों पर भी लागू होता है, हालांकि उनका मूल्यांकन केवल बाह्य परीक्षाओं पर आधारित होगा

कृपांक (Grace Marks)

एक विद्यार्थी को पास होने में मदद करने के लिए 5 तक सांकेतिक कृपांक का प्रावधान

स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना

वार्षिक पद्धति

विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर निम्नानुसार विषय का अध्ययन करना होगाः -

एक मुख्य विषय (Major)	03 प्रश्नपत्र	6+6+6=18 क्रेडिट	किसी एक ही संकाय से
एक गौण विषय (Minor)	02 प्रश्नपत्र	4+4=8 क्रेडिट	
एक मल्टी डीसिप्लिनेरी विषय (MDC)	01 प्रश्नपत्र	3 क्रेडिट	
एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम	01 प्रश्नपत्र	3 क्रेडिट	
योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम Hindi +English	01 प्रश्नपत्र	2+2 =4 क्रेडिट	
प्रोजेक्ट वर्क / इंटर्नशिप/सामुदायिक जुडाव	01 प्रश्नपत्र	2 क्रेडिट	
मूल्य आधारित पाठ्यक्रम (VAC)	01 प्रश्नपत्र	2 क्रेडिट	

कुल 10 प्रश्न पत्र कुल 40 क्रेडिट

स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना

विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर निम्नानुसार विषय का अध्ययन करना होगाः -

एक मुख्य विषय (Major) 03 प्रश्नपत्र 03 CCE

एक गौण विषय (Minor) 02 प्रश्नपत्र 02 CCE

प्रत्येक प्रश्नपत्र 3-3 घंटे के

एक मल्टी डीसिप्लिनेरी विषय (MDC) 17.1

एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम

शेष प्रश्नपत्र अधिकतम 2-2 घंटे के

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम 01 प्रश्नपत्र

AEC परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) नहीं होंगे। इसके बजाय, इसमें बहुत लघु, लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का मिश्रण होगा।

प्रोजेक्ट वर्क / इंटर्नशिप/सामुदायिक जुडाव

मूल्य आधारित पाठ्यक्रम (VAC)

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रोजेक्ट वर्क/ अप्रेन्टिसशिप/ इंटर्नशिप /सामुदायिक जुडाव का अवसर प्रदान किया जा रहा है, तृतीय वर्ष में विद्यार्थी ग्रीष्मावकाश (द्वितीय वर्ष के समापन/ तृतीय वर्ष के प्रारंभ के पूर्व समर इंटर्नशिप करेंगे. 13.9 to 13.11

स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना

विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर निम्नानुसार विषय का अध्ययन करना होगाः -

एक मुख्य विषय (Major) - 03 प्रश्नपत्र 03 CCE
एक गौण विषय (Minor) - 02 प्रश्नपत्र 02 CCE

प्रत्येक प्रश्नपत्र 3-3 घंटे के

Part D - Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30 University Examination : 70		
Internal Assessment : CCE :	Class Tests Assignment / Presentation	30
External Assessment : University Exam Time :	Section A - Very Short Questions (50 words) Section B - Short Questions (200 words) Section C - Long Answer Questions (500 words)	5 x 2 = 10 4 x 7 = 28 2 x 16 = 32 70

मध्यप्रदेश शासन
उच्च शिक्षा विभाग

धन्यवाद